अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद

कार्यालय - युवालोक, जैन वि-व भारती, लाडनूं (राज.)

म.उंपस रू जमतंचंदजीउमकपं/लींववण्बवण्पद

आग में ईंधन नहीं, पानी डालें

आचार्य महाप्रज्ञ

बीदासर, 22 जनवरी, 2009

महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि पारस्परिक संबंधों में लगी आग में इंधन नहीं, पानी डालें। कटु वचनों का ईंधन आग को तेज कर देगा और वाक् कुशलता का पानी उस आग को ठंडा कर देता है। पारस्परिक संबंधों में मधुरता के लिए वाक्चातुर्य जरूरी है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवसरण में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वाणी का कुशलतापूर्ण प्रयोग करने वाला व्यक्ति प्रत्येक क्षेत्र में सफलता को प्राप्त कर सकता है और पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ बना लेता है। केवल चित्र बनाने वाला ही कलाकार नहीं होता है, आग को बुझाने वाले वचन बोलने वाला भी बड़ा कलाकार होता है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति आवेश करता है उसके सामने मौन धारण कर लेने से पारस्परिक संबंधों में दरार नहीं पड़ती है। हमें क्रोध को सफल नहीं विफल करना सीखना चाहिए। जीभ को उल्टा कर तालु पर लगाने से भी क्रोध नियंत्रित होता है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि पूर्ण दुःख मुक्ति के लिए भावों में साधुता आना जरूरी है। उन्होंने श्रीमद् मघवागणी के जीवनवृŸा पर रचित आख्यान का वाचन किया।

आचार्य महाप्रज्ञ के निर्देशन में चल रहा है नशा मुक्ति अभियान

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के निर्देशन में विराट स्तर पर नशा मुक्ति अभियान संचालित हो रहा है। इस सन्दर्भ की जानकारी देते हुए मुनि जयंतकुमार ने बताया कि नशा मुक्ति अभियान में अब तक 21 सम्मेलन, 96 संगोष्ठियां एवं 25354775 नशामुक्ति संकल्प पत्र भरे जा चुके है। उन्होंने बताया कि आचार्य महाप्रज्ञ एवं युवाचार्य महाश्रमण जब नशामुक्ति पर प्रवचन करते हैं तो उससे प्रभावित होकर अनेक लोग ने नशा मुक्ति का संकल्प ग्रहण कर लेते है और संबंधित सामग्री को वहीं फेंक देते हैं। आचार्य महाप्रज्ञ के शिष्य शिष्याएं सम्पूर्ण भारत में पद यात्रा के द्वारा इस अभियान को गति देते हैं। आचार्य महाप्रज्ञ नशे को नाश का द्वार मानते हैं। मुनि जयंतकुमार के अनुसार इस सन्दर्भ में सम्पूर्ण भारत में 257 अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र संचालित हो रहे है। जहां इस अभियान के साथ रोजगार प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

अणुव्रत समिति एवं अणुव्रत शिक्षक संसद के सदस्यों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा धार्मिक एवं शिक्षा संस्थानों के पास शराब की दुकान न खोलने के आदेश की सराहना की। इस सन्दर्भ की जानकारी अणुव्रत शिक्षक संसद के राष्ट्रीय संयोजक श्री भीखमचंद नखत एवं स्थानीय अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री चौथमल बोथरा ने दी।

- अशोक सियोल

9982903770